BABA MASTNATH UNIVERSITY

UNIQUE BLEND OF ACADEMICS AND SPIRITUALITY | www.bmu.ac.in
(RECOGNISED BY UGC) ROHTAK, DELHI -NCR

Internal Quality Assurance Cell

IQAC

AC-Event-2025-15
Date: 8/2/2025

EVENT APPROVAL FORM

Academic Session: 2024-2025

Proposed Event:	1. Seminar 2. Conference 3. Workshop 4. Training 5. Short Term Course 7. Special/Extension Lecture 8. Sports, Cultural, Cocurricular 9........		
Faculty Name:	Faculty of Engineering and Technology		
Department Name:	Computer Science and Engineering		
Convener:	Dr. Anil Dudy		
Co-Convener / Organizing Secretary (if any):	Dr. Kavita		
Speaker's Profile:	Mr. Manish Kumar - Trainer Ms. Pooja - Trainer		
Topic:	"Creating Large Scale Impact Through Skilling the Youth".		
Duration: (in days)	15 days	Proposed Mode (Online, Offline, Hybrid) Date & Time:	offline
Proposed Fee (Rs.) (If any)	1800 (one thousand Eight Hundred)- (Amount in figure and words)		
Requirements	Flex ✓ (Required/Not-Required) Give Details if Required 01 flex 02 Standi	Memento (Required/Not-Required) Give Details if Required 02 Momento	Certificate (Required/Not-Required) Give Details if Required

Convener/Secretary
(Signature with Full Name)

Dean/Chairperson/HOD
(Signature with Full Name)

Director (IQAC)

Registrar

8.2.2025
Vice-Chancellor

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम का समापन

■ व्यक्तित्व विकास के बिना सफलता अधूरी : प्रो. एचएल वर्मा

आज समाज नेटवर्क

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में टीएमआईई2ई अकादमी द्वारा इंफोसिस फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम का भव्य समापन हुआ। यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, ग्रुप डिस्कशन, समस्या समाधान और रिज्यूमे राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण सॉफ्ट स्किल्स को निखारने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एच. एल. वर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल डिग्री प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है। नौकरी देने वाली कंपनियां अब तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता, ग्रुप डिस्कशन और टीम वर्क पर भी ध्यान देती हैं। सही संवाद कौशल के बिना, चाहे आपके पास कितनी भी डिग्री हो, सफलता पाना कठिन हो सकता है। विश्वविद्यालय छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आगे भी आयोजित करता रहेगा। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि ज्ञान अर्जित करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे व्यावहारिक रूप से लागू करना ही असली शिक्षा है। यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण आपके करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और आपको आगे बढ़ने के नए अवसर प्रदान करेगा। यदि आप इन कौशलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लेंगे, तो निश्चित रूप से सफलता की ऊँचाइयों को छू सकेंगे।

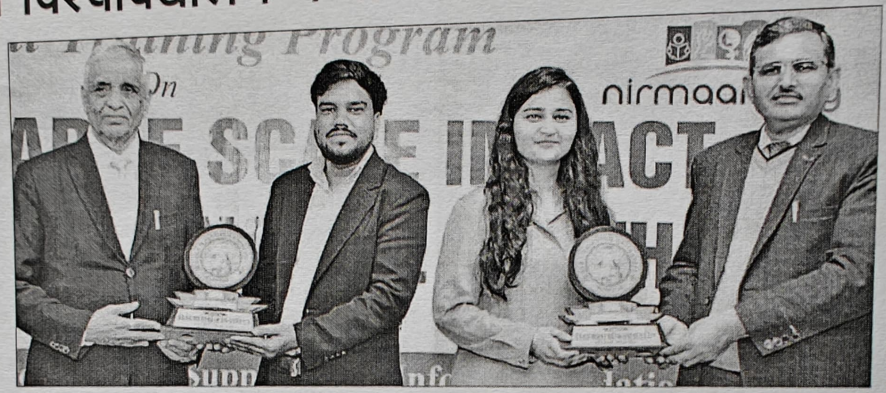

प्रशिक्षक मनीष कुमार व पूर्वी को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए क्रमशः बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एच. एल. वर्मा व रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार।

इस कार्यक्रम के प्रमुख प्रशिक्षक मनीष कुमार और पूर्वी ने छात्रों को कुशल नेतृत्व, संचार कौशल, टीम वर्क और अन्य सॉफ्ट स्किल्स के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनिल डूडी ने कुलपति, रजिस्ट्रार, डीन फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग और दोनों प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त किया। अंत में प्रशिक्षकों मनीष कुमार और पूर्वी को विश्वविद्यालय द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सुधीर मलिक, डीन इंजीनियरिंग डॉ. मुकेश सिंगला, डॉ. कविता, डॉ. सोमवीर आर्य, डॉ. बनिता, डॉ. राहुल, डॉ. सुदेश कुमारी सहित विभिन्न संकायों के शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम का समापन

रोहतक(संजू)। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में टीएमआईई2ई अकादमी द्वारा इंफोसिस फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम का भव्य समापन हुआ। यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, ग्रुप डिस्कशन, समस्या समाधान और रिज्यूमे राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण सॉफ्ट स्किल्स को निखारने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एच. एल. वर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल डिग्री प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है। नौकरी देने वाली कंपनियां अब तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता, ग्रुप डिस्कशन और टीम वर्क पर भी ध्यान देती हैं। सही संवाद कौशल के बिना, चाहे आपके पास कितनी भी डिग्री हो, सफलता पाना कठिन हो सकता है। विश्वविद्यालय छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आगे भी आयोजित करता रहेगा। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि ज्ञान अर्जित करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे व्यावहारिक रूप से लागू करना ही असली शिक्षा है। यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण आपके करियर में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाएगा और आपको आगे बढ़ने के नए अवसर प्रदान करेगा। यदि आप इन कौशलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लेंगे, तो निश्चित रूप से सफलता की ऊँचाइयों को छू सकेंगे। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सुधीर मलिक, डीन इंजीनियरिंग डॉ. मुकेश सिंगला, डॉ. कविता, डॉ. सोमवीर आर्य, डॉ. बनिता, डॉ. राहुल, डॉ. सुदेश कुमारी सहित विभिन्न संकायों के शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम का समापन

व्यक्तित्व विकास के बिना सफलता अधूरी : प्रो. एच. एल. वर्मा

रोहतक, चेतना संवाददाता। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में टीएमआईई2ई अकादमी द्वारा इंफोसिस फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम का भव्य समापन हुआ। यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, ग्रुप डिस्कशन, समस्या समाधान और रिज्यूमे राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण सॉफ्ट स्किल्स को निखारने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एच. एल. वर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल डिग्री प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है। नौकरी देने वाली कंपनियां अब तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता, ग्रुप डिस्कशन और टीम वर्क पर भी ध्यान देती हैं। सही संवाद कौशल के बिना, चाहे आपके पास कितनी भी डिग्री हो, सफलता पाना कठिन हो सकता है। विश्वविद्यालय छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आगे भी आयोजित करता रहेगा।

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि ज्ञान अर्जित करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे व्यावहारिक रूप से लागू करना ही असली शिक्षा है। यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण आपके करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और आपको आगे बढ़ने के नए अवसर प्रदान करेगा। यदि आप इन कौशलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लेंगे, तो निश्चित रूप से सफलता की ऊँचाइयों को छू सकेंगे। इस कार्यक्रम के प्रमुख प्रशिक्षक मनीष कुमार और पूर्वी ने छात्रों को कुशल नेतृत्व, संचार कौशल, टीम वर्क और अन्य सॉफ्ट स्किल्स के महत्व से अवगत कराया।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनिल डूडी ने कुलपति, रजिस्ट्रार, डीन फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग और दोनों प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त किया। अंत में प्रशिक्षकों मनीष कुमार और पूर्वी को विश्वविद्यालय द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सुधीर मलिक, डीन इंजीनियरिंग डॉ. मुकेश सिंगला, डॉ. कविता, डॉ. सोमवीर आर्य, डॉ. बनिता, डॉ. राहुल, डॉ. सुदेश कुमारी सहित विभिन्न संकायों के शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर
रोहतक भास्कर 01-03-2025

न्यूज़ ब्रीफ

कंपनियां अब तकनीकी ज्ञान पर ध्यान देती हैं: कुलपति

रोहतक | बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में टीएमआईईई अकादमी ने इंफोसिस फाउंडेशन की देखरेख में सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम किया गया। 15 दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. एचएल वर्मा ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल डिग्री प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है। नौकरी देने वाली कंपनियां अब तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता, ग्रुप डिस्कशन और टीम वर्क पर भी ध्यान देती हैं। इस दौरान रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार, प्रमुख प्रशिक्षक मनीष कुमार, संयोजक डॉ. अनिल डूडी डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सुधीर मलिक, डीन इंजीनियरिंग डॉ. मुकेश सिंगला, डॉ. कविता, डॉ. सोमवीर आर्य, डॉ. बनिता, डॉ. राहुल, डॉ. सुदेश उपस्थित रहे।

■ बाबा मस्तनाथ विवि में सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम का समापन

व्यक्तित्व विकास के बिना सफलता अधूरी : प्रो. एचएल वर्मा

रोहतक, 28 फरवर (पू.सं.)। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में टीएनआईई2ई अकादमी द्वारा ईफोसिस फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम का भव्य समापन हुआ। यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, ग्रुप डिस्कशन, समस्या समाधान और रिज्यूमे राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण सॉफ्ट स्किल्स को निखारने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एचएल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल डिग्री प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है। नौकरी देने वाली कंपनियां अब तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता, ग्रुप डिस्कशन और टीम वर्क पर भी ध्यान देती हैं। सही संवाद कौशल के बिना, चाहे आपके पास कितनी भी डिग्री हो, सफलता पाना कठिन हो सकता है।

विश्वविद्यालय छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आगे भी आयोजित करता रहेगा। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि ज्ञान अर्जित करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे व्यावहारिक रूप से लागू करना ही असली शिक्षा है।

प्रशिक्षक मनीष कुमार व पूर्वी को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए क्रमशः बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एचएल. वर्मा व रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार।

यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण आपके करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और आपको आगे बढ़ने के नए अवसर प्रदान करेगा। यदि आप इन कौशलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लेंगे, तो निश्चित रूप से सफलता की ऊंचाइयों को छू सकेंगे।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनिल डूडी ने कुलपति, रजिस्ट्रार, डीन फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग और दोनों प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त किया। अंत में प्रशिक्षकों मनीष कुमार और पूर्वी को विश्वविद्यालय द्वारा स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सुधीर मलिक, डीन इंजीनियरिंग डॉ. मुकेश सिंगला, डॉ. कविता, डॉ. सोमवीर आर्य, डॉ. बनिता, डॉ. राहुल, डॉ. सुदेश कुमारी सहित विभिन्न संकायों के शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

विदेश समाचार

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम का समापन

● व्यक्तित्व विकास के बिना सफलता अधूरी: प्रो. एच. एल. वर्मा

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में टीएमआईई2ई अकादमी द्वारा इंफोसिस फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम का भव्य समापन हुआ। यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, ग्रुप डिस्कशन, समस्या समाधान और रिज्यूमे राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण सॉफ्ट स्किल्स को निखारने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एच. एल. वर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल डिग्री प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है। नौकरी देने वाली कंपनियां अब तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता, ग्रुप डिस्कशन और टीम वर्क पर भी ध्यान देती हैं। सही संवाद कौशल के बिना, चाहे आपके पास कितनी भी डिग्री हो, सफलता पाना कठिन हो सकता है। विश्वविद्यालय छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आगे भी आयोजित करता रहेगा। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि ज्ञान अर्जित करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे व्यावहारिक रूप से लागू करना ही असली शिक्षा है। यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण आपके करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और आपको आगे बढ़ने के नए अवसर प्रदान करेगा। यदि आप इन कौशलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लेंगे, तो निश्चित रूप से सफलता की ऊँचाइयों को छू सकेंगे।

इस कार्यक्रम के प्रमुख प्रशिक्षक मनीष कुमार और पूर्वी ने छात्रों को कुशल नेतृत्व, संचार कौशल, टीम वर्क और अन्य सॉफ्ट स्किल्स के महत्व से अवगत कराया। अंत में प्रशिक्षकों मनीष कुमार और पूर्वी को विश्वविद्यालय द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम का समापन

वॉइस ऑफ़ बहादुरगढ़ न्यूज़:
रोहतक।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में टीएमआईई2ई अकादमी द्वारा इंफोसिस फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम का भव्य समापन हुआ। यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, ग्रुप डिस्कशन, समस्या समाधान और रिज्यूमे राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण सॉफ्ट स्किल्स को निखारने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एचएल वर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल डिग्री प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है। नौकरी देने वाली कंपनियां अब तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता, ग्रुप डिस्कशन और टीम वर्क पर भी ध्यान देती हैं। सही संवाद कौशल के बिना, चाहे आपके पास कितनी भी डिग्री हो, सफलता पाना कठिन हो सकता है। विश्वविद्यालय छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आगे भी आयोजित करता रहेगा। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि ज्ञान अर्जित करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे व्यावहारिक रूप से लागू करना ही असली शिक्षा है। यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण आपके करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और आपको आगे बढ़ने के नए अवसर प्रदान करेगा। यदि आप इन कौशलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लेंगे, तो निश्चित रूप से सफलता की ऊँचाइयों को छू सकेंगे। इस कार्यक्रम के प्रमुख प्रशिक्षक मनीष कुमार और पूर्वी ने छात्रों को कुशल नेतृत्व, संचार कौशल, टीम वर्क और अन्य सॉफ्ट स्किल्स के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनिल डूडी ने कुलपति, रजिस्ट्रार, डीन फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग और दोनों प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त किया। अंत में प्रशिक्षकों मनीष कुमार और पूर्वी को विश्वविद्यालय द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सुधीर मलिक, डीन इंजीनियरिंग डॉ. मुकेश सिंगला, डॉ. कविता, डॉ. सोमवीर आर्य, डॉ. बनिता, डॉ. राहुल, डॉ. सुदेश कुमारी सहित विभिन्न संकायों के शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Rohtak 01.03.2025 - 01 Mar 2025 - Page 3

व्यक्तित्व विकास के बिना सफलता अधूरी : प्रो. वर्मा

■ बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम का समापन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में टीएमआईई2ई अकादमी द्वारा इंफोसिस फाउंडेशन के तत्वाधान में आयोजित सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम का समापन हुआ। यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, ग्रुप डिस्कशन, समस्या समाधान और रिज्यूमे राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण सॉफ्ट स्किल्स को निखारने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. (डॉ.) एचएल वर्मा ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल डिग्री प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है। नौकरी देने वाली कंपनियां अब तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता, ग्रुप डिस्कशन और टीम वर्क पर भी ध्यान देती हैं। सही संवाद कौशल के बिना, चाहे आपके पास कितनी भी डिग्री हो, सफलता पाना कठिन हो सकता है। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि ज्ञान अर्जित करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे व्यावहारिक रूप से लागू करना ही असली शिक्षा है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण आपके करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और आपको आगे बढ़ने के नए अवसर प्रदान करेगा। यदि आप इन कौशलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लेंगे, तो निश्चित रूप से सफलता की ऊंचाइयों को छू सकेंगे। कार्यक्रम के प्रमुख प्रशिक्षक मनीष कुमार और पूर्वी ने छात्रों को कुशल नेतृत्व, संचार कौशल, टीम वर्क और अन्य सॉफ्ट स्किल्स के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनिल डूडी ने कुलपति, रजिस्ट्रार, डीन फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग और दोनों प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सुधीर मलिक, डीन इंजीनियरिंग डॉ. मुकेश सिंगला, डॉ. कविता, डॉ. सोमवीर आर्य, डॉ. बनिता, डॉ. राहुल, डॉ. सुदेश कुमारी सहित विभिन्न संकायों के शिक्षक और छात्र उपस्थित रहे।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम का समापन

व्यक्तित्व विकास के बिना सफलता अधूरी : प्रो. एच. एल. वर्मा

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में टीएमआईई2ई अकादमी द्वारा इंफोसिस फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम का भव्य समापन हुआ। यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, ग्रुप डिस्कशन, समस्या समाधान और रिज्यूमे राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण सॉफ्ट स्किल्स को निखारने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एच. एल. वर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल डिग्री प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है। नौकरी देने वाली कंपनियां अब तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता, ग्रुप डिस्कशन और टीम वर्क पर भी ध्यान देती हैं। सही संवाद कौशल के बिना, चाहे आपके पास कितनी भी डिग्री हो, सफलता पाना कठिन हो सकता है। विश्वविद्यालय छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आगे भी आयोजित करता रहेगा। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि ज्ञान अर्जित करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे व्यावहारिक रूप से लागू करना ही असली शिक्षा है। यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण आपके करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और आपको आगे बढ़ने के नए अवसर प्रदान करेगा। यदि आप इन कौशलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लेंगे, तो निश्चित रूप से सफलता की ऊँचाइयों को छू सकेंगे।इस कार्यक्रम के प्रमुख प्रशिक्षक मनीष कुमार और पूर्वी ने छात्रों को कुशल नेतृत्व, संचार कौशल, टीम वर्क और अन्य सॉफ्ट स्किल्स के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनिल डूडी ने कुलपति, रजिस्ट्रार, डीन फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग और दोनों प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त किया। अंत में प्रशिक्षकों मनीष कुमार और पूर्वी को विश्वविद्यालय द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सुधीर मलिक, डीन इंजीनियरिंग डॉ. मुकेश सिंगला, डॉ. कविता, डॉ. सोमवीर आर्य, डॉ. बनिता, डॉ. राहुल, डॉ. सुदेश कुमारी सहित विभिन्न संकायों के शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

04/03/2025, 14:03

Kavita

Today at 13:55

(43) WhatsApp

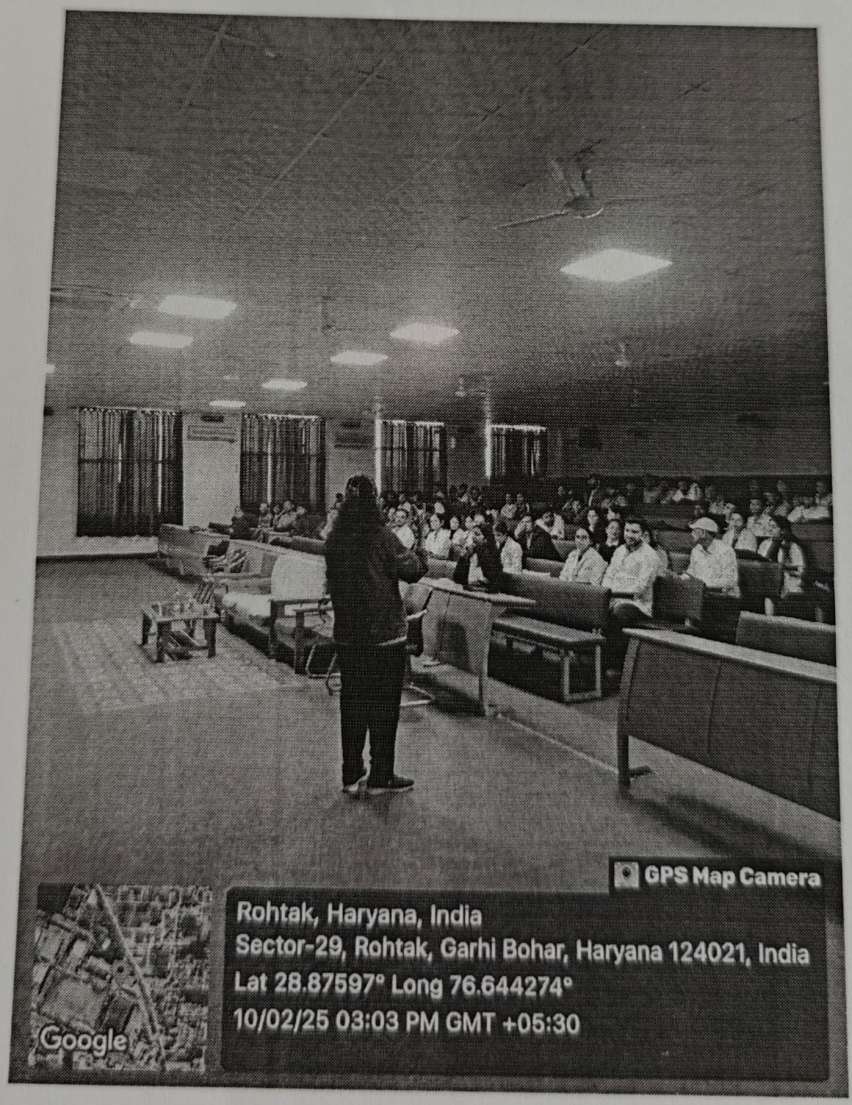

Kavita
Today at 13:55

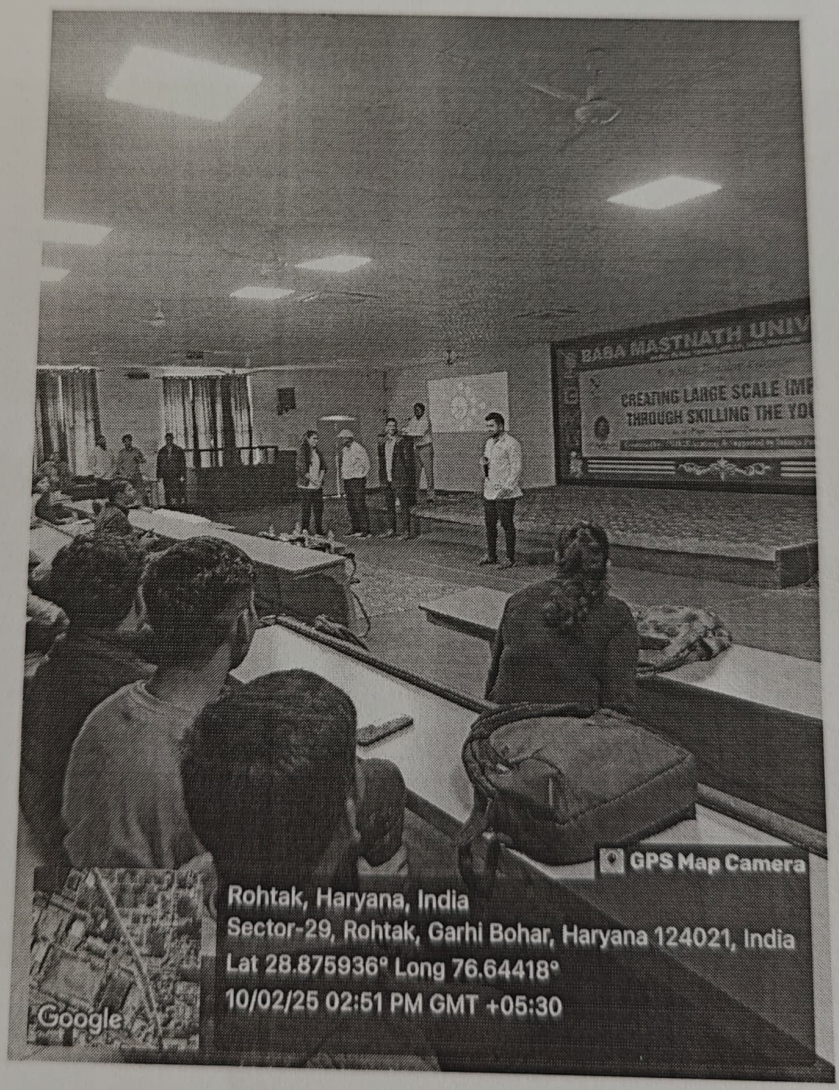

Kavita
Today at 13:55

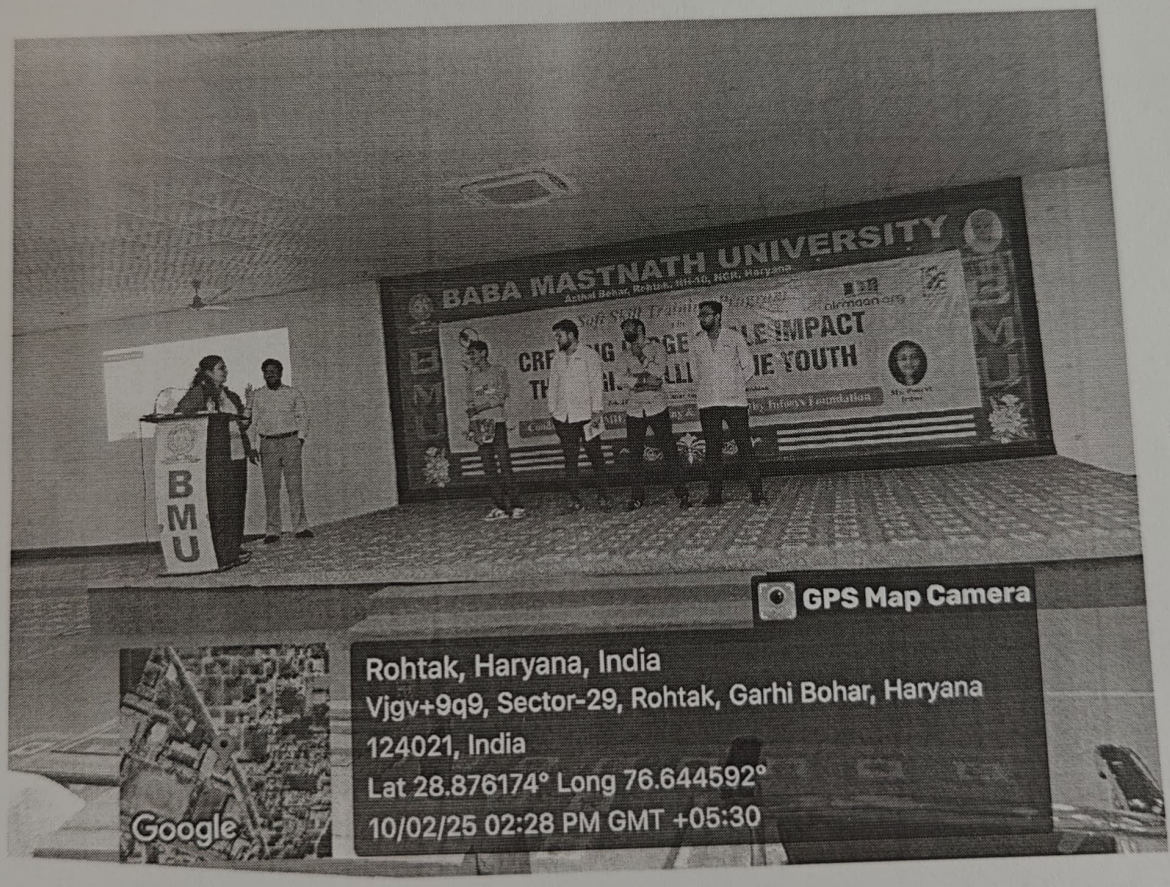

Report

Soft Skills Training Program

The Soft skills training program was conducted from 10 February to 24 February, 2025 to enhance participants' communication, teamwork, leadership, problem-solving and interpersonal skills.

Objectives :-

⇒ To develop effective communication skills.

⇒ To enhance teamwork and collaboration abilities.

⇒ To improve leadership and decision-making skills.

⇒ To build confidence and professional etiquette.